पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–08 30 अप्रैल, 2025

बंदउँ संत असज्जन चरना। दुःखप्रद उभय बीच कछु बरना।।
बिछुरत एक प्रान हरि लेहीं। मिलत एक दुख दारून देहीं।।

अब मैं संत और असंत दोनों के चरणों की वन्दना करता हूँ, दोनों ही दुःख देने वाले हैं, परन्तु उनमें कुछ अन्तर कहा गया है। वह अन्तर यह है कि एक (संत) तो बिछुड़ते समय प्राण हर लेते हैं और दूसरे (असंत) मिलते हैं तब दारूण दुःख देते हैं। (अर्थात् संतों का बिछुड़ना मरने के समान दुःखदायी होता है और असंतों का मिलना) **रामचरितमानस (बालकाण्ड/2)**

संकायाध्यक्ष (अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम)

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4 (3)/2025 /392311 दिनांक 11.04.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने तत्काल प्रभाव से प्रो. अनिल वर्मा (रासायनिक इंजीनियरी विभाग) को 15 अप्रैल, 2025 से दो वर्ष की अवधि के लिए संकायाध्यक्ष (अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम) के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/397186 दिनांक 29.04.2025 के अनुसार **प्रो. स्नेहा लाम्बा** ने 24.04.2025 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. स्नेहा लाम्बा को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

एस.सी./एस.टी. कर्मचारी कल्याण संघ चुनाव–2025

सहायक कुलसचिव (समन्वय) से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ICDN/1/15/2025(1)/395739 दिनांक 25.04.2025 के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ चुनाव–2025 में 2 वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित पदाधिकारियों को चुना गयाः–

क्र.सं	नाम (कर्मचारी कोड)	पदनाम
1.	श्री गौरव कुमार (27006)	अध्यक्ष
2.	श्री प्रवीण कुमार (27396)	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
3.	श्री जितेन्द्र प्रसाद (27043)	उपाध्यक्ष
4.	श्री विनोद कुमार (26276)	महासचिव
5.	श्री गिरीश दायमा (27653)	संयुक्त सचिव
6.	श्री गजराज सिंह (27065)	संगठन सचिव
7.	श्री बृजेश कुमार (27563)	संयुक्त संगठन सचिव
8.	श्री संजीव (27070)	कोषाध्यक्ष

संस्थान में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में जय भीम सप्ताह का आयोजन सम्पन्न

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आई. आई.टी. दिल्ली) ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती को "जय भीम सप्ताह–विचारों, विद्वता और एकजुटता का एक जीवंत उत्सव'' नामक एक परिवर्तनकारी सप्ताह उत्सव के साथ मनाया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ और जाति समानता पहल (आईसीई) द्वारा एस.सी./एस.टी. कर्मचारी कल्याण संघ, एन.एस.एस., केंद्रीय पुस्तकालय और छात्र कल्याण बोर्ड (बीएसडब्ल्यू) और मनोरंजक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए बोर्ड (बी. आर.सी.ए.) के संयुक्त सहयोग से आयोजित ''जय भीम सप्ताह'' 11 से 16 अप्रैल, 2025 तक चला, जिसमें सामान्य

एक दिवसीय उत्सव की जगह कई व्याख्यान, कार्यशालाएँ, कला प्रदर्शनियां, फिल्म स्क्रीनिंग और अन्य कार्यक्रमों से युक्त एक व्यापक अनुभव शामिल थे। ये सभी डॉ. अंबेडकर की विरासत का जश्न मनाने के लिए डिजाइन किए गए थे, जबकि समानता और संवैधानिक मूल्यों के मुद्दों के साथ जुड़ाव को गहरा किया गया।

एक सप्ताह जिसने पूरे परिसर को एक साथ जोड़ दिया

''जय भीम सप्ताह'' की शुरुआत 300 से अधिक स्कूली बच्चों द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी और पुस्तकालय भ्रमण के साथ हुई, जिन्होंने केंद्रीय पुस्तकालय में अंबेडकर के जीवन और विचारों पर व्यवस्थित शीर्षकों की खोज की। इस दिन ''ब्लड कनेक्ट'' और एन.एस.एस. के सहयोग से ''रक्तदान शिविर'' भी लगाया गया, जिसमें 200 से अधिक रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाम को शक्तिशाली वृत्तचित्र ''चैत्यभूमि'' की स्क्रीनिंग की गई, जिसके बाद निर्देशक सोमनाथ वाघमारे और हिंदुस्तान टाइम्स के वरिष्ठ संपादक ध्रुबो ज्योति के साथ विचारोत्तेजक चर्चा हुई, इसकी अध्यक्षता प्रो. प्रवीण पी. इंगोले (अध्यक्ष, एस.सी. /एस.टी. प्रकोष्ठ, आईआईटी दिल्ली) ने की।

(आईआईटी दिल्ली के केंद्रीय पुस्तकालय में स्कूली बच्चे)

जाति, मानसिक स्वास्थ्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति

12 अप्रैल को "जाति और मानसिक स्वास्थ्य" पर पैनल चर्चा में जाति–आधारित आघात और मानसिक स्वास्थ्य के अंतरसंबंध पर प्रकाश डालने के लिए प्रो. संतोष चतुर्वेदी (NIMHANS), दिव्या कंदुकुरी (द ब्लू डॉन), डॉ. वैशाली सोनावने (मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव) और प्रो. यशपाल जोगदंड (आई.आई.टी. दिल्ली) जैसे विशेषज्ञ एक साथ आए। शोध, सक्रियता और जीवित अनुभव से प्रेरणा लेते हुए इस बातचीत ने उन कहानियों को ध्वस्त कर दिया जो जाति–आधारित भेदभाव की सामाजिक वास्तविकता को सुविधाजनक रूप से अनदेखा करते हुए हाशिए पर पड़े व्यक्ति को मानसिक शक्ति की कमी के लिए दोषी ठहराती हैं। इसके अलावा, इस चर्चा ने उच्च शिक्षा में एस.सी./एस.टी. छात्रों के बीच आत्महत्या और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए मनोचिकित्सा, परामर्श के लिए दलित सकारात्मक और सामाजिक पहचान–आधारित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा बच्चों और वयस्कों के लिए एक जीवंत चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। शाम को अन्तराल थियेटर द्वारा नीला सोराज की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई।

(जाति और मानसिक स्वास्थ्य पर पैनल चर्चा)/(ड्राइंग प्रतियोगिता)

आत्मविश्वास का निर्माण, इक्ट्ठे होना

13 अप्रैल को डॉ. आरुषि पुनिया और प्रो. दिव्या द्विवेदी के नेतृत्व में "हियर मी रोअर–अकादमिक उपलब्धि और अंग्रेजी माध्यम से आत्मविश्वास का निर्माण" विषय पर आयोजित कार्यशाला ने छात्रों को अपनी अन्तर्निहित आवाज और भाषाई शर्म का मुकाबला करने के लिए सशक्त बनाया। शाम को समुदाय के लिए प्रशंसित फिल्म जय भीम (2018) की स्क्रीनिंग की गई जिसने आदिवासी समुदायों और सामाजिक न्याय की खोज पर बातचीत को बढ़ावा दिया। 14 अप्रैल को संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने संसद भवन में एक यादगार यात्रा के साथ डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई, जहाँ सैकड़ों लोग आधुनिक भारत को आकार देने में अमिट भूमिका का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए।

अंबेडकर स्मारक व्याख्यान

सप्ताह का एक मुख्य आकर्षण अंबेडकर स्मारक व्याख्यान, 2025 था जिसकी अध्यक्षता प्रो. रंगन बनर्जी (निदेशक, आई.आई.टी. दिल्ली) ने की। प्रो. प्रवीण पी. इंगोले (अध्यक्ष, एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ) ने मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और पिछले वर्ष के दौरान एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ और जाति समानता पहल प्रकोष्ठ की संयुक्त गतिविधियों को साझा किया और भविष्य की दिशाओं पर प्रकाश डाला। प्रो. यशपाल जोगदंड (संकाय सलाहकार, जाति समानता पहल) ने मुख्य अतिथि श्री अनुराग भास्कर, (भारत सर्वोच्च न्यायालय के डिप्टी रजिस्ट्रार और द फॉरसाइटेड अंबेडकर के लेखक) का परिचय कराया। श्री भास्कर ने ''डॉ. अंबेडकर और भारतीय संविधान के निर्माण'' पर बात की–डॉ. अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डाला और भारतीय संवैधानिक इतिहास के एक व्यावहारिक और सूक्ष्म विश्लेषण के माध्यम से ''भारतीय संविधान के जनक'' के रूप में उनकी सही उपाधि को पुष्ट किया। आई.आई.टी. दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने अपने सम्बोधन से जयभीम सप्ताह के सफल आयोजन के लिए प्रो. प्रवीण पी. इंगोले (अध्यक्ष, एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ) तथा प्रो. यशपाल जोगदंड (संकाय सलाहकार, जाति समानता पहल) और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। डॉ. अंबेडकर की विरासत पर विचार करते हुए प्रो. बनर्जी ने कहा, "डॉ. अंबेडकर का दूरदर्शी नेतृत्व बहुत प्रेरणादायक है। मुझे उम्मीद है कि हम सभी उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे।" डॉ. शंकर चव्हाण (उप पुस्तकालयाध्यक्ष और भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती आयोजन समिति के संयोजक) ने परिसर समुदाय को उनकी उत्साही भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और डॉ. तुषार घाडगे (सलाहकार, आईसीई), श्री विनोद कुमार (महासचिव, एस.सी./एस.टी. कर्मचारी कल्याण संघ), छात्र स्वयंसेवकों और प्रतिनिधियों, कई अधिकारियों और सहकर्मियों, विशेष रूप से प्रो. टी.आर. श्रीकृष्णन (उप निदेशक, प्रचालन), प्रो. कनिका भाल (अध्यक्ष, आयोजन समिति और प्रमुख, एनआरसीवीईई), और आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

(अंबेडकर स्मारक व्याख्यान देते हुए श्री अनुराग भास्कर)

उत्सव से बढ़कर : एक आंदोलन

15 अप्रैल को आयोजित पुस्तक मेले में 300 से अधिक पुस्तकें बिकीं, जिसमें "प्रिंट योर प्रीएम्बल" स्क्रीन–प्रिंटिंग गतिविधि, "कहानी पानी की : प्यास की राजनीति" नामक एक छाया कठपुतली शो, जिसमें डॉ. अंबेडकर के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को एक शक्तिशाली दृश्य कथा के माध्यम से दर्शाया गया। भारतीय संविधान की संस्थापक माताओं और मालविका राज द्वारा मधुबनी कला पर प्रदर्शनियाँ, और गहरी व्यक्तिगत "अंबेडकर–इन–ए–वर्ड" दीवार, परिसर अभिव्यक्ति, सीखने और साझा उद्देश्य से गुलजार रही।

सप्ताह का समापन भावनात्मक रूप से ओत–प्रोत प्रतिष्ठा मार्च के साथ हुआ, जो एकजुटता का शक्तिशाली प्रदर्शन और एस.सी./एस.टी. समुदाय की वास्तविकताओं के बारे में जागरूकता का आह्वान था। इसके पूरक के रूप में भारतीय दलित अध्ययन संस्थान (IIDS) द्वारा जाति संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा बबीता गौतम और साहिल बाल्मीकी द्वारा वाराणसी में शमशान कर्मियों द्वारा अनुभव की जाने वाली जातिगत कलंक और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर एक भयावह वृत्तचित्र, वून्डस ऑफ पायर की स्क्रीनिंग की। जय भीम सप्ताह एक स्मरणोत्सव से कहीं अधिक था–यह डॉ. अंबेडकर की स्थायी विरासत का उत्सव, संवाद का निमंत्रण और कार्रवाई का आह्वान था। आई.आई.टी. दिल्ली में, इसने अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण शैक्षणिक स्थान बनाने की ओर एक सामूहिक कदम बढ़ाया है।

(प्रो. रंगन बनर्जी, निदेशक आई.आई.टी. दिल्ली ने प्रिंट–योर–प्रीएम्बल और अंबेडकर–इन–ए–वर्ड गतिविधि में भाग लिया)

(प्रतिष्ठा मार्च)

''आरोग्य : आई.आई.टी.डी. हेल्थ सीरीज'' का दूसरा सत्र सफलतापूर्वक संपन्न (आई.आई.टी. अस्पताल और शैक्षणिक आउटरीच कार्यालय, आई.आई.टी. दिल्ली की एक पहल)

डॉ. महेश कुमार सागर, अध्यक्ष, अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएं से प्राप्त सूचना के अनुसार संस्थान में दिनांक 01 मई, 2025 को संपन्न ''आरोग्य : आई.आई.टी.डी. हेल्थ सीरीज'' का दूसरा सत्र **''कमर दर्द : क्या करें और क्या ना करें''** विषय पर एक कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इसके मुख्य प्रवक्ता **एम्स नई दिल्ली** के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ **डॉ. भावुक गर्ग** थे, जिन्होंने अपना मूल्यवान ज्ञान साझा किया। इस कार्यशाला में कमर दर्द के प्रमुख कारणों और प्रकारों पर चर्चा की गई। साथ ही, दैनिक जीवन में अपनाने योग्य सही मुद्राओं के बारे में बताया गया। **डॉ. भावुक गर्ग** ने व्यायाम और जीवनशैली संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कमर दर्द से बचाव और प्रबंधन के प्रभावी तरीके सिखाए। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर कमर दर्द से संबंधित आम भ्रांतियों को दूर करते हुए व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए, जिससे इस सत्र मे सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों को लाभ हुआ।

आरोग्य : आई.आई.टी.डी. हेल्थ सीरीज के अंतर्गत आने वाले समय में और भी स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। आप सभी से अनुरोध है कि हेल्थ सीरीज के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं में अपनी भागीदारी अवश्य कीजिए।

ग्रुप 'ए' अधिकारियों (शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक) के लिए वार्षिक चिकित्सा परीक्षण

सहायक कुलसचिव, अस्पताल सेवाएं से प्राप्त विज्ञप्ति सं. भा.प्रौ.सं.दि./स्वा.इ./2025/397146 दिनांक 29.04.2025 के अनुसार वार्षिक चिकित्सा परीक्षण की सुविधा के लिए, साधु वासवानी मिशन मेडिकल सेंटर के अतिरिक्त एक दूसरी प्रयोगशाला **''मैक्स मल्टी स्पेशलिटी सेन्टर''** को भी मंजूरी दी गई है। यह प्रयोगशाला भी CGHS वार्षिक चिकित्सा स्वास्थ्य जांच दिशानिर्देशों के अनुसार चिकित्सा परीक्षण करेगी। 40 वर्ष या उससे अधिक आयु के ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जाँच करवाना अनिवार्य है। अपॉइंटमेंट बुकिंग के लिए संपर्क विवरण इस प्रकार हैं:

मैक्स मल्टी-स्पेशलिटी सेन्टर
एन.–110, पंचशील पार्क
नई दिल्ली–110017

वेबसाइट:
https://www.maxhealthcare.in

संपर्क :
(24x7) 8860444888/9871991484

नैनोविज्ञान अनुसंधान सुविधा

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/397788 दिनांक 30.04.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने तत्काल प्रभाव से **प्रो. वामसी कृष्णा कोमाराला** (ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी विभाग) को 01 मई, 2025 से 30 अप्रैल, 2027 तक अर्थात् दो वर्ष की अवधि के लिए नैनो विज्ञान अनुसंधान सुविधा के समन्वयक के रूप में नियुक्त किया है।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाष: EPABX 7144

मुद्रक: सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेल: sagarprinters@gmail.com